मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

जन्म-दिन की बधाई

■ **अशोक लव**

ईश्वर समय-समय पर जन-कल्याण के लिए महापुरूषों को धरती पर भेजता है। ऐसे महापुरूष अपने कार्यों से अनेक कल्याणकारी कार्य करते हैं जिनसे समाज को दिशा मिलती है और लोगों में भ्रातृत्व, एकजुटता और सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ऐसे महापुरूष हैं जिन्होंने मोहयाल समाज को नई दिशा और सोच दी है। भारत विभाजन के पश्चात मोहयाल संस्कृति के बिखरने की संभावना बन गई थी। मोहयालों के पूर्वजों के निवास, तीर्थ, सांस्कृतिक केंद्र, शैक्षिक संस्थान, धन-संपदा आदि सब कुछ छुट गया था। ऐसी स्थिति में बिखरे मोहयालों को एकता की माला के सूत्र में एकत्र करने का ऐतिहासिक कार्य रायज़ादा बी.डी. बाली ने किया। 'जनरल मोहयाल सभा' के माध्यम से उन्होंने मोहयालों को एक झंडे के नीचे एकत्र किया।

वर्तमान समय में जनरल मोहयाल सभा ने उनके नेतृत्व में अनेक परियोजनाएँ बनाईं। मोहयाल फ़ाउंडेशन, मोहयाल भवन इंद्रपुरी, मोहयाल आश्रम हरिद्वार, वृंदावन, गोवर्धन, मोहयाल सेवा सदन हरिद्वार, मोहयाल स्कूल हरिद्वार, देहरादून आदि के अतिरिक्त विभिन्न नगरों में मोहयाल आश्रम बनाने में रायज़ादा बी.डी. बाली की ही दूरदर्शिता थी। 'मोहयाल मित्र' पत्रिका का प्रकाशन नियमित हो रहा है। लगभग चार दशक से वे समर्पित भाव से मोहयालों की सेवा में लगे हुए हैं। सन् 1987 से मैं उनके साथ विभिन्न रूपों में कार्य करता आ रहा हूँ। उनकी विनम्रता, उनका अनुशासन और उनकी दानशीलता हमें सदा प्रेरित करती रही है।

उन्होंने मोहयाल समाज के छोटे से छोटे और बड़े से बड़े शक्ति को जनरल मोहयाल सभा से जोड़ने का प्रशंसनीय कार्य किया है। इसीलिए वे जनप्रिय और सर्वप्रिय हैं। 11 अगस्त को उनके जन्म-दिवस के अवसर पर हमारी कामना है कि वे सौ से अधिक वर्षों तक सक्रिय, स्वस्थ और जीवंत रहकर हमारा मार्गदर्शन करते रहें। वे सपरिवार सानंद रहें। ईश्वर ने मोहयालों के हित के लिए ऐसे महापुरूष को हमारे मध्य भेजा है। हमें उन पर गर्व है।

जी.एम.एस. प्रबंधक-समिति के समस्त सदस्यों, लोकल मोहयाल सभा के पदाधिकारियों और सदस्यों तथा देश-विदेश के समस्त मोहयालों की ओर से मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

विश्व गुरू भारत का यशोगान

हजरत मुहम्मद साहिब से लगभग 2300 वर्ष पूर्व और ईसा मसीह से लगभग 1800 वर्ष पूर्व, अर्थात् आज से लगभग 3800 वर्ष पूर्व इराक के कवि 'लबी–बिन–ए–अखतर–बिन–ए–तुरफा' ने प्राचीन काव्य संग्रह 'से अरुल–आकुल' में अपनी कविता द्वारा भारत–भूमि और वेदों की प्रशंसा की है व सम्मान दिया है। कविता अरबी भाषा में है। हिन्दी अनुवाद निम्न है–

1. हे भारत की पुण्य भूमि (मिनारे हिंद), तू धन्य है। क्योंकि अपने ज्ञान के लिए ईश्वर ने तुझको चुना।
2. वह ईश्वर का ज्ञान प्रकाश, जो चार प्रकाश स्तम्भों के सदृश्य सम्पूर्ण जगत को प्रकाशित करता है। यह भारत वर्ष (हिंद तुन) में ऋषियों द्वारा चार रूपों में प्रकट हुआ।
3. परमात्मा समस्त संसार के मनुष्यों को आज्ञा देता है, कि वेद जो मेरा ज्ञान है, इनके अनुसार आचरण करो।
4. वह ज्ञान के भण्डार 'साम' और 'यजुर' हैं, जो ईश्वर ने प्रदान किए। इसलिए मेरे भाइयो, इनको मानो। क्योंकि ये हमें मोक्ष का मार्ग बताते हैं।
5. उनमें से दो ऋदक व अतर्व (ऋदग् व अथर्व) जो हमें भ्रातृत्व की शिक्षा देते हैं। जो इनकी शरण में आ गया। वह कभी अंधकार को प्राप्त नहीं होता।

लज्जा देवी मोहन, *मो. 09671432717*

हरि शयन बेला (चातुर्मास)

यह आषाढ़ मास की शुक्ल एकादशी (देव शयनी एकादशी) के साथ चार महीनों अर्थात् सावन, भाद्रपद, अश्विन और कार्तिक की शुक्ल एकादशी (जिसे देव उठावनी या देवोत्थान एकादशी कहते हैं) तक एक ही स्थान पर रह कर वहाँ के नागरिकों को अनुभव सहित ज्ञान उपलब्ध करा कर सत्य पर आधारित जीवन जीनें की प्रेरणा देते हैं। सनातन धर्म में यह परम्परा रही हैं। प्राचीनकाल से यह परम्परा रही है, जिसे साधु सन्त आज भी करते आ रहे हैं।

इस एकादशी को पदमा एकादशी, पद्भनाभा एकादशी भी कहा जाता हैं। गृहस्थ में रहने वालों के लिए चतुर्मास नियम इसी दिन से शुरु होता हैं। इस दिन हमारे प्रमुख देवता श्री विष्णु शयन करने चले जाते हैं। इस अवधि में भगवान विष्णु पाताल के राजा बलि के यहां चार मास तक निवास करते हैं। देवोत्थान एकादशी की भगवान अपने लोक को लौट आते हैं। इसी दिन चातुर्मास भी समाप्त हो जाता हैं।

इन चार मासों में कोई भी मंगल कार्य नहीं किए जाते हैं। जैसे–विवाह, नवीन गृह प्रवेश, इत्यादि नहीं किए जाते हैं।

विरेन्द्र कुमार छिब्बर, *ज्योतिष आचार्य*
EA-94 इन्द्रपुरी नई दिल्ली 110012 मो. 9818094655

यह कविता मेरे पड़नाना जी मेहता डॉ. वशिष्ठ देव मोहन ने 15 अगस्त 1947 को लिखी थी। हमारे बड़ों ने बहुत आशाएँ रखी थीं। सब खाक में मिल गईं।

कविता

मुक्त है गगन मेरा, मुक्त हैं मेरी हवाएँ।
मुक्त धरती है हमारी, मुक्त हैं अब कल्पनाएँ।
दासता से है युगों की देश ने अब मुक्ति पाई।
अब न मेरे देश का धन, भूखे किसानों से छिनेगा।
द्वेष मिठ जाएँ यहाँ से, कलेश कट जाएँ यहाँ से।
सब सुखी समृद्ध होवे, स्वर्ग ले आएँ धरा पर।

रक्षित मोहन, *कक्षा छठी*

बधाई

पारुल दत्ता (पुत्री श्रीमती कीर्ति दत्ता व श्री अश्वनी दत्ता) निवासी 1830, बी–12, गीता नगरी अंबाला शहर के कक्षा 10वीं में 9.6 प्रतिशत सीजीपीए आने पर एक सौ एक रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व एक सौ एक रुपए जी.एम.एस. के शिक्षा फंड में इनकी दादी श्रीमती राकेश दत्ता जी ने भेंट किए। इस अवसर पर दत्ता परिवार को हार्दिक बधाई।

पंकज बाली, *प्रधान मोहयाल यूथ विंग अंबाला शहर, मो. 8950516822*

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

नजफगढ़ - नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 2.07.2017 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता,

सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 16 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया प्रधान जी ने सूचित किया की जरूरतमंद मोहयाल विद्यार्थीयों को आर्थिक सहायता जी.एम.एस. द्वारा दी जाएगी, इसका फार्म जीएमएस वैब साईट और जीएमएस कार्यालय से ले सकते हैं। इसका फार्म भर कर दिनांक 20 अगस्त 2017 तक मोहयाल सभा नजफगढ़ में दे दें।

श्रीमती उषा बाली जी ने अपने पति स्व. श्री विजय कुमार बाली की स्मृति में 200 रुपए लोकल सभा को दिए।

मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली मीटिंग दिनांक 6 अगस्त 2017 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली) में प्रातः 10 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है।

सभी सदस्यों ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव*
मो.: 9871756765 — *मो. 9312174583*

बठिंडा

मोहयाल सभा बठिंडा (रजि.) की मीटिंग तिथि 12.07.2017 को सभा के वारस प्रधान विजय वैद के निवास स्थान पर प्रधान अभिलाश वैद की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग की शुरूआत मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र से की गई।

इस दौरान श्री अमरनाथ में हुए आतंकी हमले में मारे हुए शिवभक्तों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। वही इस वर्ष सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं की परीक्षा में सुधीर बाली पुत्र श्याम सुंदर बाली द्वारा लिए अच्छे अंकों के लिए उसकी प्रशंसा की गई। इसी के साथ मोहयाल सभा बठिंडा द्वारा मोहयाल बिरादरी के लिए बर्तन एवं दरियों को खरीदने पर विचार विमर्श किया गया। ताकि भविष्य में इसका लाभ मोहयाल परिवारों को हो। वही सभा द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

इस मौके पर महासचिव धर्मेंद्र दत्ता, राज कुमार वैद, रुस्तम दत्ता, विजय दत्ता, विपिन दत्ता, प्रदीप वैद, अनिल बाली, प्रमोद छिब्बर, सुभाष बाली, रवि शंकर बाली, भीष्म दत्ता, खुशहाल दत्ता, अनिल दत्ता, रंजित वैद, आदर्श छिब्बर और राहुल छिब्बर उपस्थित थे।

अभिलाश वैद, *प्रधान* — ***धर्मेंद्र दत्ता,*** *महासचिव*

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 2 जुलाई 2017 को श्री नागेन्द्र दत्ता जी (सीनियर वाइस प्रेसीडेंट) की अध्यक्षता में मोहयाल भवन में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 22 मोहयाल भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त–

शोकः श्रीमती आदर्श दत्ता जी के सुपुत्र संजीव राय दत्ता का निधन यू.एस.ए. में 8 मई को हुआ।

श्री मिथलेश दत्ता के जीजाजी श्री राजकुमार छिब्बर जी का स्वर्गवास 8 जून 2017 को हुआ व रायज़ादा के.एस. बाली जी (जनरल सेक्रेटरी) की धर्मपत्नी श्रीमती वीरेंद्र बाली जी, जिनका स्वर्गवास 14 जून 2017 को हुआ, के लिए सभी ने दो मिनट का मौन रखा और प्रार्थना की कि उन सभी की आत्मा को शांति मिले।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई व मीटिंग में पहली बार आए श्री अरूण मेहता जी का सभी से परिचय करवाया, सभी ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। बाली जी ने सभी को बताया कि जिन छात्रों के 10वीं और 12वीं की बोर्ड परिक्षाओं में 60 प्रतिशत व उससे अधिक अंक आए हैं वे 6 अगस्त की मीटिंग में मार्कशीट की फोटो कॉपी जमा करवा दें।

श्री मिथलेश दत्ता जी ने सभी उपस्थितजनों को बताया कि श्री सुनील बख्शी अकाउटेंट व श्री अजय दत्ता जी (ऑडिटर) ने सभा के अकांउटस (2016–17) का ऑडिट किया है।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

उन्होंने उनके द्वारा तैयार की गई आडिट रिपोर्ट सभी के समक्ष प्रस्तुत की जिसका सभी ने स्वागत किया।

श्री विनय बख्शी जी ने बताया कि 12 जुलाई को श्री नागेन्द्र दत्ता जी का जन्मदिन है व आज के खाने की व्यवस्था उनकी ओर से की गई हैं। सभी ने नागेन्द्र दत्ता जी को जन्मदिन की बधाई दी व उनकी लंबी उम्र की कामना की।

इस अवसर पर श्रीमती निशा दत्ता जी, श्रीमती अनिता दत्ता जी व ऋषभ दत्ता ने सुंदर भजन गाकर सभी का मन मोह लिया।

इस मौके पर श्री मिथलेश दत्ता ने निम्न राशि एकत्र की–

दीवान आर.के. दत्ता जी ने अपनी पत्नी स्वर्गीय श्रीमती तृप्ता दत्ता की बरसी पर 200 रुपए के.एस. बाली जी ने अपनी पत्नी स्व. श्रीमती बीरेन्द्र बाली की याद में 1000 रु. एम.एस. फरीदाबाद को भेंट किए।

सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया व श्री नागेन्द्र दत्ता जी का धन्यवाद किया। अगली मीटिंग 6 अगस्त को मोहयाल भवन में होगी।

नागेन्द्र दत्ता, *वरिष्ठ उपप्रधान*
मो: 9711310045

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव*
मो. 9899068573

यमुनापार-दिल्ली

मोहयाल सभा यमुनापार की जुलाई माह की बैठक 'मोहयाल भवन' झील कुरंजा में प्रधान श्री सतीश बाली जी (मो. 9211741150) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें 35 सदस्यों ने भाग लिया, सबसे पहले मोहयाल प्रार्थना की गई।

(1) सभी ने स्वर्गीय श्री हरिकिशन वैद जी (निधन 17 जून 2017) को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की। देश भक्त स्वतंत्रता–सेनानी स्वर्गीय बक्शी फकीर चंद 'सरहदी' जी के सुपुत्र स्वर्गीय श्री हरिकिशन वैद जी 35 वर्षों से अधिक समय से मोहयाल सभा यमुनापार से जुड़े रहे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और परिवार को शक्ति दें।

(2) सभा के सरपरस्त श्री दलीप सिंह दत्ता, श्री रजिंदर वैद, श्री रजिंदर बक्शी (छिब्बर), श्री सुभाष दत्ता जी और अन्य मनोनीत सदस्यों श्री श्याम सुन्दर मोहन, श्री अनिल वैद, श्री एम.के. वैद, श्री सी.पी. दत्ता जी और श्री चन्द्रमोहन छिब्बर जी का फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

(3) सेक्रेटरी ने पिछले माह के मिनट पढ़ कर सुनाई और पिछले माह की गतिविधियों की जानकारी दी जिसमें सदस्यता का विस्तार और बैंक अकांउट से जुड़े मुद्दे, मोहयाल सभा यमुनापार अब एक 'मोबाइल ऐप' के जरिए से सदस्यों से जुड़ेगा, आज के इंटरनेट युग में यह एक नया प्रयास है। सभी सदस्यों ने इसका स्वागत किया। श्रीमती सुनीता बाली (सदस्य मैनेजिंग कमेटी जीएमएस) इस कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार देखेंगी।

(4) मेहता इंदर मोहन लौ (यूनीक बैंड–झील कुरंजा), श्री दलीप सिंह दत्ता, श्री सुभाष दत्ता, श्री राजिंदर वैद, श्री विनोद बाली (शेरवानी), श्री उमेश बाली और श्री संजीव बाली ने हर माह सभा को उसकी ''विधवा पेंशन योजना'' के अंतर्गत सहयोग करना प्रारम्भ किया है। श्रीमती सुदर्शन मेहता वैद जी, श्री सोमनाथ बाली जी, श्री पिशोरी लाल मोहन जी, श्री नितिन बाली, श्री अश्वनी मेहता, श्री चंदर मोहन मेहता और श्री राजेश दत्ता प्रमुख दानदाता रहे, जिन्होंने यमुनापार की ''विधवा–पेंशन–योजना'' में सहयोग दिया। श्री चन्द्रमोहन छिब्बर जी ने बताया कि उन्होंने एक व्हील–चेयर ब्रह्मकुमारी आनंगपुर साहिब ट्रस्ट को दान दी है।

(5) जीएमएस द्वारा 125वें स्थापना दिवस (12 मार्च) पर सम्मानित स्वर्गीय श्री पिशोरी लाल बाली जी, श्री दलीप सिंह दत्ता जी को लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया गया था। सभा ने दत्ता जी को फूलमालाओं से सम्मानित किया और पी.एल. बाली जी को याद किया साथ ही जीएमएस को धन्यवाद दिया। अन्य सम्मानित सदस्यों श्री विनोद बाली, श्री श्यामसुन्दर मोहन, श्रीमती सुनीता बाली जी को भी इस मीटिंग में फूलमालाओं से सम्मानित किया गया। पूर्व प्रधान श्री विनोद छिब्बर जी सभा में आए और उनकी सेवाओं के लिए सभा ने उनका हार पहना कर स्वागत किया और धन्यवाद दिया।

(6) श्री सुभाष दत्ता जी और श्री राजिंदर वैद जी ने उपस्थित सदस्यों से अपने अनुभव और विचार सांझा किए और नयी टीम को 'प्रेम–एकता और भाईचारे का संदेश' लेकर चलने की सलाह दी।

(7) कोषाध्यक्ष श्री अनिल मेहता वैद और भवन प्रबंधक श्री कुलभूषण छिब्बर ने अपना कार्यभार पूरी तरीके से संभाल लिया।

अंत में जलपान का आयोजन श्री दलीप सिंह दत्ता जी तरफ से किया गया। प्रधान जी ने सभी का धन्यवाद दिया।

संजीव बाली (बंटी), *सेक्रेटरी*
मो. 9811758418

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 9.07.2017 को सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद सभा के सचिव श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर के निवास स्थान में सम्पन्न हुई। सभा के वित्त–सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

हमारी मोहयाल उद्योगपतियों से अनुरोध है कि वे हमारे ग्रामीण पढ़े–लिखे युवाओं को अपने उद्योग धंधों में रोज़गार का अवसर दें ताकि हमारी मोहयाल युवाओं की बेरोजगारी की समस्या का कुछ हद तक समाधान हो।

शोक समाचारः श्रीमती कमलेश मैहता धर्मपत्नी श्री योगध्यान मैहता निवासी गाँव सिवनमाजरा का अचानक देहांत हो गया। उनकी रस्म–पगड़ी 20.06.2017 को उनके निवास स्थान पर हुई, जिसमें काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए व भगवान से प्रार्थना की गई कि भगवान उनकी दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें व पीछे परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति दें। परिवार की तरफ से 250 रुपए जीएमएस को व 250 रुपए मोहयाल सभा बराड़ा को प्रदान किए गए।

अन्त में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री रविन्द्र कुमार छिब्बर परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सचिव*
मो. 9466213488

प्रेमनगर-देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 28 मई 2017 को प्रधान श्री डी. एन. दत्ता जी की अध्यक्षता में श्री सनातन धर्म मन्दिर विंग न. 5, के परिसर में मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा की कार्यवाही आरम्भ हुई। सभा के महासचिव श्री राजेश बाली ने 30 अप्रैल 2017 को सम्पन्न हुई। मोहयाल मिलन का कार्यवाही जो कि मोहयाल मित्र में प्रकाशन के लिए भेजी जानी है पढ़ कर सुनाई वित्त सचिव श्री जे.एस. दत्ता जी ने मोहयाल मिलन के आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया सभी ने इसका अनुमोदन किया।

प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने सभा सदस्यों से मोहयाल मिलन के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने को कहा। प्रधान जी ने सभा के सदस्यों/मिलन के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मोहयाल मिलन में भूलवश कोई कमी रह गई हो तो, उसका भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

सभा की अगली बैठक श्री साईंदास मेहता जी के निवास स्थान पर होगी।

जलपान एवं शांतिपाठ के साथ सभा की कार्यवाही सम्पन्न हुई। सनातन धर्म मन्दिर के प्रधान श्री सुभाष माकिन जी को मन्दिर परिसर में बैठक आयोजित करने की अनुमति प्रदान करने पर धन्यवाद दिया।

■ सभा की मासिक बैठक 25 जून 2017 सभा को प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी की अध्यक्षता में श्री मनमोहन बाली वरिष्ठ उपप्रधान के निवास स्थान विंग न.3 प्रेमनगर में मोहयाल प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 10 भाई बहनों ने भाग लिया।

सभा के सचिव श्री राजेश बाली ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री जगजीत सिंह दत्ता ने लेखा–जोखा प्रस्तुत किया जिसका सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी ने सभा को सूचित किया कि उनकी पौत्री सुश्री सान्वी दत्ता सुपुत्री कर्नल देवेन दत्ता ने जूनियर गोल्फ कप चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। श्री चेतन बाली ने बताया कि उनकी सुपुत्री सुश्री श्रुति बाली 10वीं की परीक्षा में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। सभी सदस्यों ने श्री डी.एन. दत्ता श्रीमती संतोष बाली एवम् श्री चेतन बाली को बधाई दी। श्री जे.एस. दत्ता जी का उनका भतीजी की सगाई पर सभी ने बधाई दी। श्री डी.एन. दत्ता जी ने अपनी पौत्री की गोल्फ कप चैम्पियनशिप में प्रथम आने की खुशी में सभा को 500 रुपए प्रदान किए।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई तथा जलपान की व्यवस्था के लिए सभी ने बाली परिवार को धन्यवाद दिया।

राजेश बाली, *सचिव*
मो. 9758135583

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप की मासिक बैठक 2.07.2017 को प्रधान जी की अध्यक्षता में वकील श्री अशोक बाली के निवास पर हुई। जिसमें 12 सदस्यों ने भाग लिया। बरसात हो रही थी। इतनी संख्या में सदस्यों की हाजरी परिवार वालों के लिए बड़ी खुशी की बात थी।

प्रधान जी ने कहा मोहयाल पत्रिका जिसके पास नहीं आती वह पत्रिका मंगवाए और अपने परिवार के बच्चों को भी मीटिंग में लेकर आया करें। और नये सदस्य बनाए जाएँ।

अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए बाली परिवार का धन्यवाद किया।

अगली मीटिंग जंजघर में होगी।

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*
मो. 9355310880

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर पंजाब की ओर से गुरु पूर्णिमा का पर्व न्यू बैंक कालोनी ऊना रोड में प्रधान, श्री शामसुंदर जी की अध्यक्षता में मनाया गया। प्रधान जी ने कहा कि सद्गुरु को

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

व्यास कहा जाता हैं व्यास का मतलब है जो हमारी बिखरी हुई ऊर्जा को सुव्यवस्थित करे। जिस प्रकार सूरज की किरणें बिखरी हुई हैं, तो आतिशी शीशा उसको सुव्यवस्थित करता है ऐसे ही हम में जो योग्याताएँ बिखरी हैं उनको सुव्यवस्थित करके ठीक जगह पर उनकी व्यवस्था करने की जो क्षमता रखते हैं ऐसे महापुरुष को व्यास कहा जाता है। पेट भरने की विद्या तो बहुत सीख ली लेकिन दिल को दिलवर के ज्ञान से भरकर मौत के सिर पर पैर रखने की कला सिखाना गुरुपूर्णिमा का उद्देश्य है।

इस अवसर पर मनोज कुमार दत्ता, विजयंत बाली, वरिंदर दत्त वैद, कुलदीप दत्ता, पी.पी. मोहन, दिनेश दत्ता, अरविंद मेहता, जगमोहन मेहता, शशपिंदर बाली, बख्शी जी तथा साधक भाई बहन उपस्थित थे।

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा की मासिक मीटिंग श्रीमती संगीता दत्ता के निवास स्थान पर हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया और सभा की कार्यवाही गायत्री मंत्र के साथ शरू हुई।

सभा में सभी बहनों को नये सदस्या बनाने के लिए कहा। श्रीमती वीना वैद, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती भगीरथी बाली व श्रीमती संगीता दत्ता ने अपने अपने विचार रखे।

श्रीमती संगीता दत्ता जी ने अपनी बेटी की पदोन्नति पर 250 रुपए स्त्री सभा यमुनानगर को दान में दिए, भगवान उसे तरक्की दे सभी बहनों ने उन्हें बधाई दी।

आकाश दत्ता (सहायक मैनेजर, यस बैंक) पुत्र श्री प्रवीण दत्ता जी (घिल्लौर) अपने दादा जी–दादी जी श्री तिलकराज दत्ता जी 1100 रुपए तथा नाना जी नानी जी श्री लाजपतराय छिब्बर 1100 रुपए तथा मामा जी सुधीर छिब्बर (खन्ना) के नाम पर 500 रुपए मोहयाल सभा को भेंट करते हैं।

प्रवीण दत्ता *(घिल्लौर) मो. 9812283688*

वृंदावन आश्रम लंगर फंड

डॉ. लज्जा देवी मोहन ने अपने देवरों कश्यप मोहन व कर्नल जगदीश मित्र की याद में वृंदावन आश्रम के लिए 11000 रुपए लंगर फंड में जीएमएस को भेंट किए। 8 वर्षीय कश्यप मोहन (पीचो) का देहान्त दर्दनाक हालात में 16 सितंबर 1947 ई. को लुधियाना में हुआ था। कर्फ्यू लगा था। डॉक्टरी सहायता भी नहीं मिल सकी थी। लंगर तिथिः 16 सितंबर

डॉ. लज्जा देवी मोहन, *मो. 09671432717*

अंध विश्वासी न बनें

मनुष्य अपने जीवन में विभिन्न कार्यों को करने के लिए अक्सर जन्मपत्री का प्रयोग करते हैं, कोई भी कार्य करने से पहले वह पंडित या ज्योतिष से राय अवश्य लेते हैं। किसी भी व्यवसाय आरम्भ करने से पहले संतानों की पढ़ाई तथा नौकरी के लिए भी जन्मपत्री का सहारा लेते हैं। क्या जन्मपत्री के अनुसार व्यवसाय करना और नौकरी करना संभव है? नौकरी तो योग्यता के अनुसार मिलती है और विवाह भी संयोग से ही होते हैं। माता–पिता की आज एक प्रमुख समस्या है कि अपनी संतानों के लिए अच्छे परिवार से वर–वधु की तलाश करना है, अच्छे परिवारों से रिश्ता मिलने पर और जन्म पत्री नहीं मिलने पर भी वे अपनी संतानों का विवाह करने पर विचार नहीं करते हैं।

प्रायः देखा गया है कि भाग्योदय से सम्बंधित अन्धविश्वास कम है, जबकि दुर्भाग्य को टालने के लिए अधिक है। किसी भी नग को पहनने से दुर्भाग्य को टालना या स्वस्थ रहना कैसे संभव है। ये पत्थर भविष्य को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, जो लोग गंभीर रूप से अंधविश्वासी होते हैं वे अधिकतर शक्तियों पर विश्वास करते हैं, तेजी से बदलती इस दुनिया में जहाँ विज्ञान ने नए आयाम स्थापित किए हैं वही हमारे रूडिवादी समाज में अंधविश्वास की जड़ें भी गहरी हुई है। दैनिक समाचारपत्र प पत्रिकाएं पढ़ने वाले लोग राशिफल पढ़ना नहीं भूलते और विभिन्न चैनलों पर भी प्रतिदिन राशिफल बताकर दर्शकों को भ्रमित किया जाता है। जब व्यक्ति अपने प्रयास में सफल नहीं होता तो वह बाबाओं और व अंधविश्वासी ज्योतिषों की शरण में जाता है। मुसीबत में फंसे व्यक्ति का काम बने या न बने इनको विभिन्न प्रकार के उपाय बताकर समाधान की राय देते हैं और उनसे धन लेने में कामयाब हो जाते हैं।

जिन लोगों को अपनी काबलियत पर विश्वास नहीं होता है वे ही इन बेकार की चीजों पर विश्वास करते हैं। पाखण्डी और अंधविश्वासी इन चीजों को आधार बनाकर लोगों को बेवकूफ बनाते हैं और अपना उल्लू सीधा करते हैं और भगवान के नाम पर ही इनका दान पुण्य लेने का धंधा चलता है। दरसल जादूटोना तंत्र मंत्र आदि जैसा कुछ भी नहीं होता है। ये सभी न केवल अशिक्षा व अज्ञानता के परिचायक हैं बल्कि ये लोगों को अपने वास्तविक उद्देश्य से भटकाते भी हैं। अगर ऐसा कुछ होता तो सभी समस्यायों का समाधान जादूटोना और तंत्र मंत्र से ही हो जाता। ये सभी चीजें व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर व बीमार बनाती है। इसलिए इन बातों के बारे में व्यर्थ में सोचकर अपना कीमती समय बर्बाद न करें बल्कि अपनी योग्यता, मेहनत और बुद्धि के बल पर अपने लिए खुशियों और सुख की तलाश करें।

सत्येन्द्र छिब्बर

17/653, चोपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर राजस्थान

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बख्शी हरि किशन वैद का निधन

महान स्वतन्त्रता सैनानी व राय–अषमा उर्दु समाचार पत्र के सम्पादक बख्शी फकीर चन्द ''सरहदी'' के सुपुत्र

बख्शी हरि किशन वैद का निधन 16.06.2017 की रात्रि उनके निवास स्थान 488, झील कुरंजा, दिल्ली में हो गया था। बख्शी हरिकिशन वैद मूलतः पेशावर के रहने वाले थे उनका जन्म 24.05. 1939 को जांगला हजारा अपने ननिहाल में हुआ था, उनकी माता श्रीमती शांति देवी बड़ी धार्मिक विचारों वाली महिला थी वो अपने से अधिक दूसरों की चिंता किया करती थी, उन्हीं के संस्कार हरिकिशन जी में रहे।

इनकी रस्म–पगड़ी 26.06.2017 को समुदाय भवन गीता कालोनी दिल्ली में आयोजित हुई। इसमें बड़ी संख्या में रिश्तेदारों के साथ–साथ बड़ी संख्या में मोहयाल बिरादरी व इष्ट मित्रों ने भाग लिया। श्री हरिकिशन जी यमुनापार मोहयाल सभा के सक्रिय सदस्य रहे तथा प्रत्येक व्यक्ति के दुख सुख में पहुँचा करते थे। वे पिछले कुछ समय से बिमार चल रहे थे। इनकी सुपुत्री कमल दत्ता, किरन दत्ता व पुत्र पंकज वैद ने अंत तक बख्शी जी की खूब सेवा की। पाँच बहिनों का भाई जिसे सब प्यार से भापा कहते थे, बड़े ही स्पष्टवादी इंसान थे, उनके मन में किसी भी व्यक्ति के लिए द्वेष भावना नहीं थी। इनकी शादी फरीदाबाद निवासी स्व. श्री लालचन्द बाली एवम् स्व. श्रीमती राम चमेली बाली की सुपुत्री मोहिनी से 17 नवंबर 1965 में हुई।

परिवार में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मोहिनी वैद, पुत्रवधु मोनिका वैद, पोत्र वेदांत, नातिन साक्षी दत्ता, भव्या दत्ता, दोहते प्रखर दत्ता, पुलकित दत्ता, दामाद रवि दत्ता, अतुल दत्ता है। इस मौके पर श्रीमती मोहिनी वैद ने 500 रुपए मोहयाल सभा यमुनापार, दिल्ली व 500 रुपए की राशि जी.एम.एस. के एजूकेशन फण्ड में दान दिए।

मामा जी की बातें व यादें हमेशा जीवंत रहेगी।
सभी की तरफ से उन्हें शत् शत् नमन।

बख्शी रवि दत्ता *पत्रकार*

पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

हमारे पूज्य पिताजी **श्री प्रीतम दास वैद** पुण्यतिथि 7.05. 2017 तथा पूज्यनीय माताजी **श्रीमती स्वर्णलता वैद** की पुण्यतिथि 30.06.2017 को थी।

हमेशा सादा जीवन एवम् उच्च विचार की विचार धारा के प्रेरक थे हमारे मम्मी पापा जी हम सब की तरफ से आपको श्रद्धासुमन भेंट करते हुए एक हजार दो रुपए जीएमएस को भेंट किए–आप दोनों की पुण्यतिथि के उपलक्ष में भेंट किए।

स्वर्गीय रायज़ादा अनन्त राम बाली जी की 22वीं पुण्य-तिथि

स्वर्गीय रायज़ादा अनन्तराम बाली जी की 22वीं पुण्यतिथि

दिनांक 21.08.2017 पर इनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला बाली (निवासी 43 प्रेम नगर, अंबाला शहर) ने 250 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व 250 रुपए जनरल मोहयाल सभा में रायज़ादा अनन्त राम बाली मैमोरियल विधवा फंड में भेंट किए। पूरे बाली परिवार की तरफ से स्व. रायज़ादा अनन्त राम बाली जी को भावभीनी श्रद्धांजलि।

पंकज बाली, *प्रधान मोहयाल यूथ विंग अंबाला शहर*
मो. 08950516822

मोहयाल आश्रम वृंदावन

मोहयाल आश्रम वृंदावन पधारें, हम आपके स्वागत के लिए तैयार हैं। श्रीकृष्ण और राधा जी की लीलास्थली में बना आश्रम समस्त सुविधाओं से सुसज्जति हैं। सपरिवार तीर्थ यात्रा का कार्यक्रम बनाएँ।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

शहीदों के परिवारों का "चीत्कार"

माता अपने वीर पुत्र के शव को गले लगाती है।
कभी चूमती माथा उसका कभी गाल सहलाती है।।
उठ जा बेटे देर हो गई बारम्बार हिलाती है।
ममता की चीत्कार है जो पत्थर को भी पिघलाती है।।

पुत्र के शव को देख पिता घबराकर ऐसे हांफ रहे हैं।
मुख से कुछ ना बोला जाए थर थर–थर थर कांप रहे हैं।।
दुख से छलनी हुआ है सीना अश्रु आँखों से झाँक रहे हैं।
आँसू का बाँध लो टूट गया हाथों से मुख को ढाँप रहे हैं।।

पत्नी की ना रुकती सिसकी भगवान भी उसका रूठ गया है।
थामा था जो हाथ पति ने मझधार में हाथ भी छूट गया है।।
दोनों ने देखा जो सपना वो सपना भी अब टूट गया है।
आतंकवाद का आया दानव आकर उनको लूट गया है।।

वीरों के मस्तक काट लिये उनके अपनों का दुख देखो।
इतना अधर्मी मुल्क है ये, उसकी वहशत का रूख देखो।।
मेरे वीरों को छीन लिया मन कैसे पाए सुख देखो।
ऐसे जो दुनिया छोड़ गए उनके बच्चों का मुख देखो।।

बहुत हुआ अब सहा ना जाए, वीरों का कर्ज चुकाना है।
पाक को अब तो खाक करो, जाकर परचम लहराना है।।
उनकी छाती पर मूंग दलो, उनको अब सबक सिखाना है।
वीरों को फूल कंरू अर्पित "सुषमा" अब दीप जलाना है।।

सुषमा बाली
मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली
मो. 9818967830

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखों। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

जय/पराजय

पूरनचंद बाली नमन

सब कुछ पाने पर भी जिसने
सोचा कुछ पाया नहीं
समझो जीवन में उसके था
कोई बड़ा अवरोध कहीं।

जीवन की तस्वीर समूची
जब हो आँखों के आगे
एक पराजय से कोई
मैदान छोड़ कर क्यों भागे।

कई मोर्चों पर है
संग्राम लड़ा जाता जीवन का
कहीं पे हारा जाता है तो
कहीं पे है जीता जाता।

कब हारें हम किससे हारे
हम को पता नहीं होता
दुश्मन सबसे बड़ा हमारे
भीतर ही बैठा होता।

सी–106, ओबेराय स्पलैंडर, जे.बी.एल. रोड, जागेश्वरी (पूर्व) मुंबई–400060

"घरेलू नुस्ख"

छाछ- तेज और ओज बढ़ाने के लिए छाछ का निरंतर सेवन बहुत लाभदायक है। दिन में एक बार छाछ अवश्य पीयें। भोजन में पानी के स्थान पर छाछ का प्रयोग करें।

सौंठ- सामान्य बुखार, जुकाम और कफ़ से बचने के लिए आधा चम्मच पीसी हुई सौंठ और थोड़ा गुड़ एक गिलास पानी में डाल कर घोलकर इतना उबाले कि वह आधा रह जाए। रात को सोने से पहले पीएँ। अगर सौंठ न हो तो अदरक का प्रयोग भी कर सकते हैं।

सरसों का तेल- सर्दियों में गर्म सरसों का तेल और गर्मियों में ठंडा सरसों का तेल तीन बूँद दोनों कान में डालते रहें। कान में मैल नहीं जमेगी और सुनने की शक्ति भी तेज होगी।

आँवला- किसी भी रूप में आँवले का प्रयोग रोज़ करने से उच्च रक्तचाप और हार्ट फेल की संभावना बहुत ही कम अर्थात् नहीं होती।

ताँबे के बर्तन मे पानी- रात को ताँबे के बर्तन में रखा पानी सुबह उठकर बिना कुल्ला किए ही पीयें। लगातार ऐसा करने से बीमारी से बचाव रहेगा। ताँबे के बर्तन में रखा जल गंगा जल से भी अधिक शक्तिशाली माना गया है।

मैथी- मैथी दाना पीस कर एक चम्मच एक गिलास पानी में उबाल कर रोज पीयें। मीठा, नमक कुछ न मिलाएँ। इससे पेट ठीक रहेगा। शूगर कंट्रोल में रहेगी। जोड़ों के दर्द नहीं होंगे और पेट भी ठीक रहेगा।

रंजना छिब्बर
ई.ए. 94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली, मो. 9910695790

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

14th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2017

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 85% and above **Last Date: 31st August 2017**

1. Name: ..... **(Caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)**
2. Mother's Name: .....
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: ..... (Class passed .....)
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....

   E-mail: .....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	Percentage .....

....

Signature of Student **Signature of Mother/Father/Guardian**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2017 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor